>

Title: Introduction of the Constitution (One Hundred and Twenty-Seventh Amendment) Bill, 2021 (Motion adopted and Bill Introduced).

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री (डॉ. वीरेन्द्र कुमार): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाए । … (व्यवधान)

माननीय सभापति : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ:

> "कि भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति प्रदान की जाए ।"

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री अधीर रंजन जी, आप केवल बिल के संबंध में बोलिए ।

… (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Adhir Ranjan Ji, are you opposing or are you in favour of the Bill?

… (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : सर, इस तरीके का गतिरोध न किया जाए । … (व्यवधान) मेरी बात सुनने का धैर्य रखिए ।… (व्यवधान)

माननीय सभापति: आप मत बोलिए ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: प्लीज, आप बैठ जाइए ।

… (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Your leader is speaking.

… (*Interruptions*)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, बात यह है की सदन की एक रेस्पांसिबल पार्टी होने के नाते, हम अपनी जिम्मेदारी जानते हैं । इसलिए आज सारे विपक्षी दलों ने फैसला लिया है की आप जो 127वें कांस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट बिल का इंट्रोडक्शन करने जा रहे हैं, इसके साथ हिंदुस्तान के, हमारे पिछड़े वर्ग के लोगों का ताल्लुक है ।…(व्यवधान) इस सदन में जब 102वां अमेंडमेंट बिल पास किया गया था…(व्यवधान) बोलने दीजिए ।…(व्यवधान) जब इस सदन में 102वां अमेंडमेंट बिल पास किया गया था, तब हम लोगों ने सरकार को यह नसीहत दी थी, इसके लिए सचेत किया था कि आप प्रदेशों के अधिकार का हनन मत कीजिए । …(व्यवधान) लेकिन इस सरकार ने हमारी बात नहीं सुनी । …(व्यवधान) बहुमत की बाहुबली से हमारी बात नहीं सुनी गई । …(व्यवधान) लेकिन आज क्या हुआ?…(व्यवधान) आज जब हिंदुस्तान के आम लोग, हिंदुस्तान के पिछड़े वर्ग के लोग आंदोलन करते हैं, तो ये उनके आंदोलन की डर की चपेट में आ चुके हैं । …(व्यवधान)

माननीय सभापति : आपकी बात हो गई। बैठ जाइए ।

… (व्यवधान)

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: माननीय सभापति महोदय, यह विरोध केवल राजनीतिक आधार पर है । …(व्यवधान) इनके जो शासित राज्य हैं, उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के द्वारा भी लगातार इस बिल को लाये जाने की मांग की जा रही है । मैं अनुरोध करता हूं कि इस बिल को पुर:स्थापित करने की अनुमति दी जाए ।…(व्यवधान)

माननीय सभापति : प्रश्न यह है:

"कि भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति प्रदान की जाए ।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: महोदय, मैं विधेयक को पुरःस्थपित करता हूं।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : सभा की कार्यवाही बारह बजकर तीस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है ।

12.12 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past Twelve of the Clock.

12.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past Twelve of the Clock.

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

... (व्यवधान)

12.30 ½ hrs

At this stage, Dr. Kalanidhi Veeraswamy, Shri E.T. Mohammed Basheer, Shri Gaurav Gogoi and some other Members came and stood on the floor near the Table.

... (व्यवधान)

12.31 hrs

माननीय सभापति: जिन माननीय सदस्यों को आज नियम 377 के अधीन मामलों को उठाने की अनुमति प्रदान की गई है, वे अपने मामलों के अनुमोदित पाठ को बीस मिनट के अंदर व्यक्तिगत रूप से सभा पटल पर रख दें ।

… (व्यवधान)